IASC organises workshop of sanitation workers

FP NEWS SERVICE
Ujjain

Instrumentation Automation Surveillance and communication Sector Skill (IASC) organised an awareness drive across the country. The IASC organised a workshop in which civic body officials were imparted training by representatives of IASC.

Social Justice Department is trying to stop manual cleaning of septic tanks and sewers. The workshop was organised to achieve it. On this occasion IASC Representative Ruchi Jain said that it was dangerous to clean septic tanks manually so modern equipments must be used. The ravage must be shifted to proper place to keep diseases away. On this occasion workshop partner Gyan Prem Social and Development society, secretary Ashish Tiwari, Kanchan Dixit, health officer BS Mehte and other

AISC organising workshop FP PHOTO

मैन्युअल तरीके से सैप्टिक टैंक व सीवर सफाई पर अंकुश जरूरी

उज्जैन @ पत्रिका. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम आइएएससी के माध्यम से देशभर में मैन्युअल तरीके से सैप्टिक टैंक व सीवर सफाई नहीं कराए जाने का लेकर जागरुकता कार्यशाला की जा रही है। शनिवार को ग्राण्ड होटल में आइएएससी के प्रतिनिधियों द्वारा हैजर्डस क्लीनिंग ऑफ सीवर्स एंड सैप्टिक टैंक कार्यशाला आयोजित की। सोसायटी आइएएससी की रुचि जैन के अनुसार ये कार्य कर्मियों के जरिए ना कराते हुए मशीनों के माध्यम से ही होना चाहिए। इसके लिए जरूरी होने पर संबंधित संस्था को ऋणे सुविधा भी उपलब्ध कराया जाता है।

मैन्युअल तरीके से सेप्टिक टैंक और सीवरों की सफाई पर लगे अंकुश-रूचि जैन

उज्जैन। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशानुसार मैन्युअल तरीके से सेप्टिक टैंक और सीवरों की सफाई पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से इंम्प्रूमेशन आटोमेशन सर्विलेंस एंड कम्युनिकेशन सेक्टर स्कील (आईएएससी) के माध्यम से देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगर निगम उज्जैन के स्वास्थ्य अधिकारी, एसआई, सीवर लाईन सफाई कार्य में संलग्न कर्मचारियों को आईएएससी के प्रतिनिधियो द्वारा हैजर्डस क्लीनिंग आफ सीवर्स एंड सेप्टिक टैंक कार्यशाला का ग्राण्ड होटल में आयोजन किया गया।

इस मौके पर वर्कशाप पार्टनर ज्ञान प्रेम सोशल एंव डेव्लपमेंट सोसायटी आईएएससी की रूचि जैन, संस्था सचिव आशीष तिवारी, कंचन दीक्षित, स्वास्थ्य अधिकारी बीएस मेहते सहित स्वास्थ्य निरीक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएएससी की रूचि जैन ने बताया कि सेप्टिक टैंक और सीवरों की सफाई को मैन्युअल तरीके से साफ न करके मशीनों व उपकरणों से करने के बारे में जागरूक किया जावें। इस हेतु वर्कशाप का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि मैन्युअल तरीके से सीवर की सफाई करना एक खतरनाक काम है, इससे कई बार सफाई करने वाले के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। सेप्टिक टैंक जिनमें हमेशा गंदगी भरी रहती है, उनमें कभी भी मनुष्य के द्वारा हाथों से सफाई नहीं की जानी चाहिये और न ही उसमें से निकाली गई गंदगी को इधर-उधर डालना चाहिये, इससे बीमारियों की आशंका रहती है। इस काम के लिए आधुनिक मशीने व उपकरण बने हैं, जिनके प्रयोग से ऐसी जगहों की आसानी से सफाई हो जाती है।

आईएएससी के प्रतिनिधियों द्वारा कार्यशाला का आयोजन

मैन्युअल तरीके से सेप्टिक टेंक और सीवरो की सफाई पर लगे अंकुश- रूचि जैन

उज्जैन। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेर्शानुसार मैन्युअल तरीके से सेप्टिक टेंक और सीवरो की सफाई पर अंकुश लगाने के उददेश्य से इंस्ट्रुमेशन ऑटोमेशन सर्विलेंस एंड कम्युनिकेशन सेक्टर स्कील (आईएएससी) के माध्यम से देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगर निगम उज्जैन के स्वास्थ्य अधिकारी, एसआई, सीवर लाईन सफाई कार्य में संलग्न कर्मचारियो, को आईएएससी के प्रतिनिधियो द्वारा हैजर्डस क्लीनिंग ऑफ सीवर्स एंड सेफ्टी टैंक कार्यशाला का ग्राण्ड होटल में आयोजन किया गया। इस मौके पर वर्कशॉप पार्टनर ज्ञान प्रेम सोशल एंव डेव्लपमेंट सोसायटी आईएएससी की रूचि जैन, संस्था सचिव श्री आशीष तिवारी, श्रीमती कंचन दीक्षित, स्वास्थ्य अधिकारी श्री बी.एस मेहते सहित स्वास्थ्य निरीक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईएएससी की रूचि जैन ने बताया कि सेप्टिक टेंक और सीवरो की सफाई को मैन्युअल तरीके से साफ न करके मशीनो व उपकरणो से करने के बारे में जागरूक किया जावे, इस हेतु आज वर्कशॉप का आयोजन किया गया है। उन्होने कहा कि मैन्युअल तरीके से सीवर की सफाई करना एक खतरनाक काम है, इससे कई बार सफाई करने वाले के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पडता है। सेप्टिक टेंक जिनमें हमेशा गंदगी भरी रहती है, उनमें कभी भी मनुष्य के द्वारा हाथों से सफाई नही की जानी चाहिये और न ही उसमें से निकाली गई गंदगी को इधर-उधर डालना चाहिये, इससे बीमारियो की आशंका रहती है। इस काम के लिए आधुनिक मशीने व उपकरण बने है, जिनके प्रयोग से ऐसी जगहो की आसानी से सफाई हो जाती है। रूचि जैन ने सफाई निरीक्षको से कहा कि वे अपनी दिनचर्या के दौरान शहर में जहां-जहां जाए इस पर नजर रखे की कही भी कानुन का उल्लंघन ना हो। आपका कार्य सफाई जैसे कार्यो पर सुपरवाईजरी और उनकी निगरानी करने का है, इसलिये आपकी जिम्मेदारी और अधिक बनती है। आप लोगो को जागरूक करने के साथ-साथ इस बात को सुनिश्चित करे कि कही भी सेप्टिक टेंक और सीवरो की सफाई मैनयुअल तरीके से ना हो। आईएएससी की प्रतिनिधि रूचि जैन ने बताया कि सरकार का प्रयास है कि सीवरो की मशीनो से सफाई के लिऐ कोई व्यक्ति या आपस में लोग मिलकर मशीनो की खरी कर सकते है, इसके लिये सब्सिडी पर ऋण का प्रावधान भी है। इससे लोगो को रोजगार मिलेगा और एक सामाजिक बुराई पर अंकुश भी लगेगा।

बकायादारों की संपत्ति होगी कुर्क

उज्जैन। आयुक्त प्रतिभा पाल के निदेर्शानुसार बकाया सम्पत्तिकर स्वामियों पर सम्पत्तिकर वसूली एवं कुर्की की कार्यवाही आरंभ कर दी गई है। इसी क्रम में शनिवार को झोन क्र. 2 अन्तर्गत सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी श्री रमेश रघुवंशी द्वारा रामप्रसाद भार्गव मार्ग स्थित श्रीमती सुरभी के मकान पर 1 लाख 40 हजार बकाया होने पर कुर्की की कार्यवाही की गई। बकाया बिल पेटे का राशि रुपए 63126/- का चैक प्राप्त किया गया।